तेरे पहरे बिन बालाजी,
महार: भुत बड़ें जां सं।।

सब क्यांए में हो स घाटा,
घर के पित्र करं सं टाटा,
गई लक्ष्मी दुर यो टोटा,
खुब छिड़ै जा स,
तेरे पेहरे बिन बालाजी,
महार: भुत बड़ें जां सं।।

घर में कलह रह.बलकारी,
होणी चले होण की मारी,
करदे ने पोंबारा काणे,
तीन लड़े जां स,
तेरे पेहरे बिन बालाजी,
महार: भुत बड़ें जां सं।।

पेशी झुमे जा स घर में,
चौगरदे तं लिया सुं घिर मैं,
बाज: रोज मटाक लड़ाई,
खुब लड़े जा स,
तेरे पेहरे बिन बालाजी,
महार: भुत बड़ें जां सं।।

छोटी पुलिया पाई कोना,
राजपाल मन्नै हरगिज टोणा,
अशोक भक्त दुख पाया,
न्युं के छंद घड़े जां सं,
तेरे पेहरे बिन बालाजी,
महार: भुत बड़ें जां सं।।

तेरे पहरे बिन बालाजी,
महार: भुत बड़ें जां सं।।

गायक – नरेन्द्र कौशिक।
भजन प्रेषक – राकेश कुमार जी,
खरक जाटान(रोहतक)
(9992976579)

Source:
https://www.bharattemples.com/tere-pahare-bin-balaji-mhare-bhut-bade-ja-se/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw